मोदीनगर में हाइवे चार घंटे जाम

बकाया भुगतान व गन्ना मिल चलाने की मांग को लेकर सड़क पर रालोद के नेतृत्व में जमा हुए किसान

- जाम के कारण डायवर्ट किए गए वाहन
- प्रदर्शनकारियों व पुलिस प्रशासन में तीखी झड़प

मोदीनगर में मोदी शुगर मिल पर ट्रैक्टर-बुग्गी खड़ी कर धरना देते किसान।

संवाद सहयोगी, मोदीनगर : मोदी शुगर मिल चलाने और बकाया 72 करोड़ रुपये भुगतान की मांग को लेकर रविवार को राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के नेतृत्व में किसानों ने मोदी मिल गेट के सामने एनएच-58 पर जाम लगाया। किसानों के धरना- प्रदर्शन के कारण चार घंटे यातायात बाधित रहा। इस दौरान प्रदर्शनकारियों व पुलिस प्रशासन के बीच तीखी झड़पें भी हुईं। जाम के मद्देनजर वाहनों का गाजियाबाद-मेरठ से रूट डायवर्ट किया गया। जिला प्रशासन द्वारा सोमवार से मिल के पेराई सत्र की प्रक्रिया शुरू करने के आश्वासन के बाद किसानों ने धरना-प्रदर्शन खत्म किया। जाम के मद्देनजर भारी पुलिस तैनात किया गया था।

दस बजे से जुटने लगे थे किसान क्षेत्र के किसान मांग को लेकर पूर्व घोषित चक्का जाम की घोषणा के मद्देनजर मोदी मिल गेट पर सुबह 10 बजे से जुटने लगे थे। लगभग साढ़े 12 बजे रालोद विधायक सुदेश शर्मा, पार्टी के जिला अध्यक्ष तेजपाल सिंह, जिला पंचायत सदस्य बब्रेंद्र नेहरा, सतीश राठी, रणबीर दैया के नेतृत्व में किसान सड़क पर बैठ गए और जाम लगा दिया। किसानों ने ट्रैक्टर-ट्राली समेत अन्य वाहन सड़क पर ही खड़े कर वाहनों की आवाजाही रोक दी। सड़क पर ही आयोजित धरने की अध्यक्षता अब्बास अली ने की।

रालोद विधायक ने कहा कि जिस किसान को इस समय खेतों में होना चाहिए उसे सड़कों पर आंदोलन करना पड़ रहा है। विधायक ने सोमवार तक मिल चालू नहीं करने पर कड़े परिणाम की चेतावनी दी। पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष रामानुज त्यागी, शाहिद प्रधान, आकाश शर्मा, सतेंद्र तोमर, जिला पंचायत सदस्य दीपा त्यागी, संजीत नेहरा, संदीप जीनवाल, छात्र नेता रवि कुमार, जोनी सांगवान आदि ने विधायक की चेतावनी का समर्थन किया। उद्योग व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष संजय गुप्ता ने व्यापारियों की ओर से बाजार बंद कराने की घोषणा की। किसानों ने गन्ने में आग लगाकर विरोध जताया।

पुलिस प्रशासन ने किसी तरह संभाली स्थिति : पंचायत में उठ रहे विरोधी स्वर को देखते हुए एडीएम प्रशासन चुनकू राम पटेल, एसपी ट्रैफिक किरण यादव, एसडीएम मोनिका रानी, एसपी देहात जगदीश शर्मा ने पहल की और प्रदर्शनकारियों से वार्ता की। विधायक की चेतावनी पर शासन के वरिष्ठ अधिकारियों से वार्ता करने के बाद एडीएम प्रशासन व एसडीएम ने कहा कि यदि मिल की पेराई प्रक्रिया कल से शुरू नही की गई तो प्रबंधकों के विरुद्ध एक और मुकदमा दर्ज किया जाएगा। भुगतान मुद्दे पर प्रबंधकों के विरुद्ध आरसी जारी करने और भुगतान के विलंब होने पर एक माह तक किसानों से बकाया की वसूली पर रोक लगाने का भी आश्वासन दिया। इसके बाद किसानों का प्रदर्शन खत्म हुआ।

Dainik Jagaran

2/12/13